Maithili

MJC-01

Credit -06 Marks-100

मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यन्त समृद्धशाली परम्परा अछि। तेरहम शताब्दीक वर्णरत्नाकर भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम गद्य–ग्रन्थ थिक। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव थिक। एहि पत्रमे मैथिली साहित्यक आदिकालीन विषय–वस्तु तथा मध्यकालीन नाट्य साहित्यक विविध पक्षक अध्ययन कएल जाएत :–

इकाइ 01–	व्याख्यान
• काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री • प्रमुख सिद्धाचार्य • डाक वचन	L - T - P 10 - 02 - 00
इकाइ 02– • ज्योतिरीश्वरक जीवन परिचय • वर्णरत्नाकरक साहित्यिक परिचय • वर्णरत्नाकर (प्रथम एवं द्वितीय कल्लोल मात्र) • ज्योतिरीश्वरक अन्य साहित्य	13 – 02 – 00
इकाइ 03– नेपालक मैथिली नाटक • उद्‌भव • परम्परा • वैशिष्ट्य **'हरगौरी विवाह'** • कथावस्तु • चरित्र–चित्रण • नाटककार जगज्योतिर्म्मल्लक परिचय	12 – 02 – 00

14.6.23

Aruna Choudhary 14.6.2023

R Singh. 14.06.23.

इकाइ 04– <u>आसामक मैथिली नाटक</u> • उद्भव • परम्परा • वैशिष्ट्य **<u>'रामविजय'</u>** • कथावस्तु • चरित्र–चित्रण • नाटककार शंकरदेवक परिचय	12 – 02 – 00
इकाइ 05– <u>मिथिलाक मैथिली नाटक</u> • उद्भव • परम्परा • वैशिष्ट्य • कीर्तनियाँ नाटक वा नाच **परिजात हरण** • कथावस्तु • चरित्र–चित्रण • नाटककार उमापतिक परिचय	13 – 02 – 00
इकाइ 06– • आदिकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति • आदिकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति • मध्यकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति • मध्यकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति	12 – 02 – 00
Total	72+12+00=84

<u>निर्धारित ग्रन्थ</u>

1. वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना
2. हरगौरी विवाह, रामदेव झा, प्र०– नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. राम विजय–शंकर देव, प्र०–नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
4. पारिजात हरण, उमापति, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना

सहायक ग्रन्थ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र०–साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्र०– मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र०–मैथिली

R Singh 14.06.23. 14.6.23 Aruna Chaudhary 14.6.23

अकादमी, पटना

4. मैथिली साहित्यक इतिहास, मायानन्द मिश्र, प्र० किसुन संकल्प लोक, सुपौल,
5. मिथिलाक सामाजिक इतिहास, गोविन्द झा, प्र०–साहित्यिकी, सरिसबपाही, मधुबनी
6. डाक दृष्टि, मोहन भारद्वाज, प्र०–मैलोरंग, नई दिल्ली
7. डाक घाघ आ भड्डरी, महेन्द्र मलंगिया, प्र०–मलंगिया आर्टस, नई दिल्ली
8. विद्यापतिकालीन मिथिला, इन्द्रकान्त झा, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना
9. अनुशीलन अवबोध, बासुकीनाथ झा, प्र०–रश्मि प्रकाशन, राजेन्द्रनगर, पटना
10. अंकिया नाट विवेचन, नवीनचन्द्र मिश्र, प्र०–मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता
11. नेपालक मैथिली नाट्य–परम्परा, डॉ० कुलानन्द झा, प्र०–मिथिला रिसर्च सोसाइटी, कबिलपुर, दरभंगा

R Singh 14.06.23.

14.6.23

Aruna Chaudhary 14.6.23

MJC-01

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक–100
सैद्धांतिक–70
सी.आइ.ए.–30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पी कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। **10x02=20**

खण्ड–ब– लघुत्तरीय 06 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होतएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। **04x05=20**

आवश्यकतानुसार, एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहिना स्थितिमे 02टा लघूत्तरीय आ 02टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02 टा व्याख्यात्मक लेल 03 टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03 टा प्रशन पूछल जाएत।

खण्ड–स– दर्घ उत्तरीय 05 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमे सँ 03 टाक उत्तर होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। **03x10=30**

Arunā Chaudhary 14.6.23

14.06.23.

14.6.23

Maithili

MIC-01

Credit -03

Marks-100

मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यन्त समृद्धशाली परम्परा अछि। एकर आरम्भ आठम शताब्दीसँ मानल जाइत अछि। तेरहम शताब्दीक 'वर्णरत्नाकर' भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम गद्य–ग्रन्थ थिक। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव थिक। एहि पत्रमे मैथिली साहित्य आदिकालीन विषय–वस्तु तथा मध्यकालीन नाट्य साहित्यक विविध पक्षक बण्ससल कएल जाएतः–

	व्याख्यान L - T - P
इकाइ 01– • काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री • ज्योतिरीश्वर ओ हुनक वर्णरत्नाकर	09 – 02 – 00
इकाइ 02– नेपालक मैथिली नाटक • नेपालक मैथिली नाट्य–परम्परा • हरगौरी विवाह नाटक परिचय एवं नाटककार जगज्योतिर्म्मल्लक	09 – 02 – 00
इकाइ 03– आसामक मैथिली नाटक • आसामक मैथिली नाट्य–परम्परा • रामविजय नाटक परिचय एवं नाटककार शंकरदेवक	09 – 01 – 00
इकाइ 04– मिथिलाक मैथिली नाटक • मिथिलाक मध्यकालीन नाट्य–परम्परा • पारिजात हरण नाटक परिचय एवं नाटककार उमापतिक	09 – 01 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित ग्रन्थ

1. वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना
2. हरगौरी विवाह, जगज्योतिर्म्मल्ल प्र०– नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. राम विजय–शंकर देव, नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

सहायक गन्थ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र०–साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा श्रीश प्र०– मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना

14.06.23 14.6.23 Aruna Chaudhary 14.6.23

4. मैथिली साहित्यक इतिहास, मायानन्द मिश्र, प्र०–किसुन संकल्प लोक, सुपौल,
5. मिथिलाक सामाजिक इतिहास, गोविन्द झा, प्र०–साहित्यिकी, सरिसबपाही, मधुबनी
6. डाक दृष्टि, मोहन भारद्वाज, प्र०–मैलोरंग, नई दिल्ली
7. डाक घाघ आ भड्डरी, महेन्द्र मलंगिया, प्र०–मलंगिया आर्टस, नई दिल्ली
8. अंकिया नाट विवेचन, नवीनचन्द्र मिश्र, प्र०–मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता
9. नेपालक मैथिली नाट्य–परम्परा, डॉ० कुलानन्द झा, प्र०–मिथिला रिसर्च सोसाइटी, कबिलपुर, दरभंगा

Arunā Chaudhary 14.6.23

14.6.23

14.06.23.

MIC-01

विषयः—मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक—100
सैद्धांतिक—70
सी.आइ.ए.—30

खण्ड—अ— अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पी कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। **10x02=20**

खण्ड—ब— लघुत्तरीय 06 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होतएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। **04x05=20**

आवश्यकतानुसार, एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहिना स्थितिमे 02टा लघूत्तरीय आ 02टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05—05 अंकक होएत। जाहिमे 02 टा व्याख्यात्मक लेल 03 टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03 टा प्रशन पूछल जाएत।

खण्ड—स— दर्घ उत्तरीय 05 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमे सँ 03 टाक उत्तर होएत। प्रत्येक प्रश्न 10—10 अंकक होएत। **03x10=30**

14.06.23.

14.6.23

Aruna Chaudhary 14.6.23

Maithili
MIC-02

Credit -03

Marks-100

लोक साहित्य

Semester-II

मैथिली लोक–साहित्य, मैथिली साहित्यक आधार भूमि थिक। अज्ञात–अपरिचित व्यक्ति द्वारा एकर सृजन भेज आ मौखिक परम्परामे पोषित–संरक्षित होइत रहल अछि। विविध रूपक लोक–साहित्य, काल–क्रमेण लिखित स्वरूप सेहो ग्रहण कएलक अछि। मैथिली लोक साहित्यक परिचय आ एहि क्षेत्रमे काज कएनिहार साहित्यकार लोकनिक विषयमे एहि पत्रमे अध्ययन कएल जायतः–

	व्याख्यान L - T - P
इकाइ 01– • मैथिली लोक साहित्यक वर्गीकरण • मैथिली लोकगीतक प्रमेद एवं वैशिष्ट्य	10 – 02 – 00
इकाइ 02– • मैथिली लोक साहित्यमे लोकदेव, लोकदेवीक विवेचन • लोरिका विजय उपन्यासक कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, भाषा–शैली, उपन्यासकारक परिचय	08 – 01 – 00
इकाइ 03– • मैथिली लोक नाट्य जट–जटिनक विविध पक्ष • लोकोक्ति	06 – 01 – 00
इकाइ 04– • राजेश्वर झा, मणिपद्म, अणिमा सिंह, प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन', विश्वेश्वर मिश्र, महेन्द्र नारायण रामक लोक साहित्यक क्षेत्रमे अवदान।	12 – 02 – 00
Totel	36+06+00=42

निर्धारित ग्रन्थः–

1. लोरिक विजय–मणिपद्म, प्रकाशक–मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कलकत्ता

14.06.23

14.6.23

14.6.23

सहायक ग्रन्थः–

1. मैथिली लोकगीत–अणिमा सिंह (सम्पादिका), प्रकाशक–साहित्य अकादेमी नई दिल्ली
2. मैथिली लोक साहित्य : स्वरूप ओ सौन्दर्य–रामदेव झा, प्रकाशक–मिथिला रिसर्च सोसाइटी, कबिलपुर, दरभंगा
3. मैथिली लोक साहित्यक विस्तृत इतिहास–राजाराम प्रसाद, प्रकाशक–अभिषेक प्रकाशन, बसुली निवास, दरभंगा
4. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्रकाशक–मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
5. मणिपद्मक जीवन ओ साहित्य, डॉ० रणजीत कुमार सिंह, प्रकाशक–ऋतुराज, प्रकाशन, जोगियारा, दरभंगा
6. हमारे लोकदेवी–देवता–लेखक–प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' सम्पादक–डॉ० वीरेन्द्र कुमार सिंह, प्रकाशक समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर।

Aruna Chaudhary 14.6.23

14.06.23

14.6.23

MIC-02

विषयः—मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक—100
सैद्धांतिक—70
सी.आइ.ए.—30

खण्ड—अ— अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पी कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। **10x02=20**

खण्ड—ब— लघुत्तरीय 06 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होतएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। **04x05=20**

आवश्यकतानुसार, एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहिना स्थितिमे 02टा लघूत्तरीय आ 02टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05—05 अंकक होएत। जाहिमे 02 टा व्याख्यात्मक लेल 03 टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03 टा प्रशन पूछल जाएत।

खण्ड—स— दर्घ उत्तरीय 05 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमे सँ 03 टाक उत्तर होएत। प्रत्येक प्रश्न 10—10 अंकक होएत। **03x10=30**

14.6.23

14.6.23

14.6.23

Maithili

MJC-02

Credit -06

Marks-100

लोक साहित्य

Semester-II

मैथिली लोक–साहित्य, मैथिली साहित्यक आधार भूमि थिक। अज्ञात–अपरिचित व्यक्ति द्वारा एकर सृजन भेल आ मौखिक परम्परामे पोषित–संरक्षित होइत रहल अछि। विविध रूपक लोक–साहित्य, काल–क्रमेण लिखित स्वरूप सेहो ग्रहण कएलक अछि। मैथिली लोक साहित्यक आरम्भ, प्रभेद आ एहि क्षेत्रमे काज कएनिहार साहित्यकार लोकनिक अवदान अमूल्य अछि। एहि प्रसंग प्रस्तुत पत्र मे अध्ययन कएल जायतः–

	व्याख्यान L - T - P
इकाइ 01– • मैथिली लोक साहित्यक परिचय • मैथिली लोक साहित्यक वर्गीकरण	14 – 02 – 00
इकाइ 02– • मैथिली लोकगीतक प्रमेद एवं वैशिष्ट्य • मैथिली लोकगाथा वैविध्य एवं वैशिष्ट्य	14 – 02 – 00
इकाइ 03– • मैथिली लोक नाट्यक प्रभेद एवं वैशिष्ट्य • मिथिलाक लोकदेव, लोकदेवीक विवेचन • लोकोकित	14 – 02 – 00
इकाइ 04– • 'लोरिक विजय' उपन्यासक कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, भाषा–शैली, उपन्यासकारक परिचय • मिथिला लोक कथा संचय (पाठ्यांश–रम्य एवं हास्य–व्यंगय कथा) कथावस्तु एवं वैशिष्ट्य	16 – 02 – 00

14.06.23.

14.6.23

14.6.23

इकाइ 05– • 'राजेश्वर झा, मणिपद्म, अणिमा सिंह, प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' विश्वेश्वर मिश्र, रामदेव झा, राजाराम प्रसाद एवं महेन्द्र नारायण रामक लोक साहित्यक क्षेत्र मे अवदान।	16 – 02 – 00
Totel	74+10+00=84

निर्धारित ग्रन्थः–

1. लोरिक विजय–मणिपद्म, प्रकाशक–मिथिला सांस्कृतिक परिषद, कलकत्ता
2. मिथिला लोक कथा संचय पी० सी० चौधरी, अनुवाद–योगानन्द झा, प्रकाशक–साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

सहायक ग्रन्थः–

1. मैथिली लोकगीत–अणिमा सिंह (सम्पादिका), प्रकाशक–साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली लोकगाथा, विश्वेश्वर मिश्र, प्रकाशक–साहित्यिकी, सरिसबपाही, मधुबनी
3. मैथिली लोक साहित्य : स्वरूप ओ सौन्दर्य, रामदेव झा, प्रकाशक–मिथिला रिसर्च सोसाईटी, कबिलपुर, दरभंगा।
4. मैथिली लोक साहित्यक भूमिका, लेखक– जयकान्त मिश्र, अनुवादिका–रेवती मिश्र, शेखर प्रकाशन, पटना।
5. मैथिली लोकवृतः बिन्दुओ विस्तार, महेन्द्र नारायण राम, प्रकाशक–डॉ० झम्मन राम मिथिला शोध संस्थान, खुटौना, मधुबनी
6. मिथिला लोक साहित्यक विस्तृत इतिहास, राजाराम प्रसाद, प्रकाशक–बसुली निवास, कबिलपुर, दरभंगा
7. मणिपद्मक जीवन ओ साहित्य, डॉ० रणजीत कुमार सिंह, प्रकाशक, ऋतुराज, प्रकाशन जोगियारा, दरभंगा
8. लोक दर्शन, महेन्द्र नारायण राम, प्रकाशक–जखन–तखन, दरभंगा
9. हमारे लोकदेवी–देवता, लेखक–प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन', सम्पादक–डॉ० वीरेन्द्र कुमार सिंह, प्रकाशक–समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
10. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश', प्रकाशक–मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

14.6.23

14.6.23

14.6.23

MJC-02

विषयः—मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक—100
सैद्धांतिक—70
सी.आइ.ए.—30

खण्ड—अ— अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पी कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। **10x02=20**

खण्ड—ब— लघुत्तरीय 06 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होतएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। **04x05=20**

आवश्यकतानुसार, एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहिना स्थितिमे 02टा लघूत्तरीय आ 02टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05—05 अंकक होएत। जाहिमे 02 टा व्याख्यात्मक लेल 03 टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03 टा प्रशन पूछल जाएत।

खण्ड—स— दर्घ उत्तरीय 05 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमे सँ 03 टाक उत्तर होएत। प्रत्येक प्रश्न 10—10 अंकक होएत। **03x10=30**

14.6.23

14.6.23

14.6.23

Ability Enhancing Course (AEC)

Semester – 1 (AEC- 1)

Credit -02

Marks-100

Science	Social Science/Arts	Commerce
• MIL (Maithili)	• MIL (Maithili)	• MIL (Maithili)

आधुनिक भारतीय भाषा (MIL) अंतर्गत मैथिली एकटा सुस्थापित भाषा थिक। मिथिलाक्षर (तिरहुता) एकर अपन लिपि अछि। वैयाकरणिक विशिष्टता एहि भाषाक महत्वपूर्ण पक्ष थिक। संवैधानिक मान्यताक उपरांत एकर परिधिमे विस्तार भेल अछि। वाचन, लेखन एवं अनुवाद कौशल आदि विविध पक्षक ज्ञान मैथिली भाषाक माध्यमसँ प्राप्त करब एहि पत्रक धेय अछि:-

L-T-P

इकाइ-01. **08-02-00**

व्याकरण

व्याकरण कोनो भाषाकेँ अनुशानबद्ध करैत अछि। लेखन-वाचन शुद्धता लेल व्याकरणक ज्ञान आवश्यक अछि। एहि इकाइमे मैथिली व्याकरणक ओही पक्षक अध्ययन-अनुशीलन कएल जाएत, जे मैथिली भाषा केँ आन सँ फराक आ मैथिलीक निजताक परिचायक अछि।

- **शब्द-प्रकरण** – सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया
- **कारक** – कारकक भेद एवं विभक्तिक प्रयोग
- **वाक्य-विचार** – वाक्य भेद, वाक्य परिवर्तन, वाक्य संयोजन एवं वाक्य रचना

L-T-P

इकाई – 2. **08-02-00**

लेखन-कौशल

भाव अथवा विचारकेँ लेखनक माध्यमसँ स्थायित्व प्रदान कएल जाइत अछि। लेखनक विविध आयामसँ परिचिति रहलासँ एहिमे विशिष्टता अबैत अछि। प्रस्तुत इकाईमे प्रयोजनमूलक लेखन-प्रभेद पर अनुचिंतन कएल जाएत।

- अनुच्छेद लेखन
- प्रारूप लेखन
- पत्र लेखन
- निबध लेखन

L-T-P

इकाई – 3. **08-02-00**

लिपि एवं साहित्य

आधुनिक भारतीय भाषाक प्राचीन लिपिमे मिथिलाक्षर (तिरहुता)क स्थान अछि। वर्तमानमे एकर प्रयोजनीयतामे बेस अभिवृद्धि भेल अछि।

भारतीय कथा-साहित्य मध्य मैथिली कथा साहित्यक स्थान अत्युत्तम अछि। एहि इकाइमे मिथिलाक्षरक अभ्यास एवं मैथिलीक प्रतिनिधि कथाक अध्ययन कएल जाएत।

- **मिथिलाक्षर** – मिथिलाक्षरसँ हिंदी/उर्दू/अंग्रेजीमे अनुवाद एवं हिंदी/उर्दू/अंग्रेजी सँ मिथिलाक्षरमे अनुवाद
- **कथा** – कथा संग्रह – संपादक – जयधारी सिंह, प्र०– साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

Total- L-T-P

24+06+00=30

14.6.23 14.6.23 16.6.23

निर्धारित ग्रन्थ

1. कथा संग्रह, जयधारी सिंह, प्र०-साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

सहायक ग्रन्थ

1. सुबोध मैथिली व्याकरण, गविन्द झा, प्र०-शेखर प्रकाशन, पटना।
2. मैथिली व्याकरण ओ रचना, विजयेन्द्र झा, प्र०-प्रतिभा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर /दिल्ली
3. मैथिलाक्षर अभ्यास पुस्तक, प्रो०विश्वनाथ झा, प्र०- अखिल भारतीय मैथिली साहित्य परिषद्, दरभंगा
4. मैथिलाक्षर ज्ञानमाला, संकलनकर्त्ता –हरिमोहन झा, प्र०-सिद्धिरस्तु, संतनगर, बुराड़ी, दिल्ली
5. मैथिलाक्षर शिक्षा, आद्या झा, प्र०- मैथिली अकादमी, पटना

14.06.23

14.6.23

Aruna Chaudhary 16.6.23

MIL

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक–100
सैद्धांतिक–70
सी.आइ.ए.–30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पी कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। **10x02=20**

खण्ड–ब– लघुत्तरीय 06 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होतएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। **04x05=20**

आवश्यकतानुसार, एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहिना स्थितिमे 02टा लघूत्तरीय आ 02टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02 टा व्याख्यात्मक लेल 03 टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03 टा प्रशन पूछल जाएत।

खण्ड–स– दर्घ उत्तरीय 05 टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमे सँ 03 टाक उत्तर होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। **03x10=30**

Arun Chaudhary 14.6.23

R Singh 14.06.23.

14.6.23